# हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया

## -प्रत्येक सेमेस्टर में दो-क्रेडिट क्वालिफाइंग पाठ्यक्रम होगा उपलब्ध

**रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्री; सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्न; पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकता; राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्य; और इसी तरह के अन्य संदर्भ वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।

# वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू

**संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ः** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रो. कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना और विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से अवगत कराना है।

# व्याख्यान का आयोजन किया

**महेंद्रगढ़।** सावित्रीबाई फुले के जन्मोत्सव पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) नई दिल्ली में बुधवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विषय

पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा केंद्र मानविकी विद्यापीठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समुकलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने अपना जीवन महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए लंबी लड़ाई लड़ी।

# कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनूप यादव व डॉ. सुषमा पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा के प्रो. विनोद कुमार गर्ग व केआर मंगलम विंश्वविद्यालय, गुरुग्राम के डॉ. चंद्रमोहन व डॉ. नीरज कुमारी द्वारा संपादित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोचेज टू एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटीः स्टेटस, चैलेंजेज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स नामक पुस्तक का प्रकाशन एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित की गई। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खतरनाक दर से घटते प्राकृतिक संसाधनों और कच्चे माल के गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डाला। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं एसआईएएस की डीन प्रो. नीलम सांगवान, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता और डॉ. सुषमा भी उपस्थित रहीं। संवाद

# ऑलइंडिया वीसी कप में हकेवि की क्रिकेट टीम ने एसजीबीयू को सात विकेट से हराया

**महेंद्रगढ़,** प्रताप सिंह शास्त्री ( पंजाब केसरी) : नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय (एसजीबीयू) को 7 विकेट से हरा दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के शानदार प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त किया और टीम को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार, कौशल विकास के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी। हकेवि क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि आल इंडिया वीसी कप देश के शैक्षणिक संस्थानों के स्टॉफ के बीच खेले जाने वाले क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट्स में से एक है। इस वर्ष इस टूर्नामेंट में देशभर के विश्वविद्यालयों की 30 टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं। पिछले लगभग 25 साल से पूरे भारत वर्ष में अलग-अलग जगह आयोजित की जाती है। डॉ. सैनी ने बताया कि एसजीबीयू की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवरों में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हकेवि की टीम ने 14.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। हकेवि की टीम की ओर संजीव ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3.2 ओवरों में 3 विकेट हासिल किए तथा 1 कैच भी पकड़ा। साथ ही उन्होंने 18 रन भी बनाए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया।

**सिटी स्पोर्ट्स** ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए संजीव मैन ऑफ द मैच से सम्मानित

# ऑल इंडिया वीसी कप में हकेंवि की क्रिकेट टीम ने एसजीबीयू को सात विकेट से किया पराजित

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें ऑल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय (एसजीबीयू) को 7 विकेट से हराया।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी। हकेंवि क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि एसजीबीयू की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवरों में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हकेंवि की टीम ने 14.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। हकेंवि की टीम की ओर संजीव ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3.2 ओवरों में 3 विकेट हासिल किए तथा 1 कैच भी पकड़ा और 18 रन भी बनाए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. शाहजहां ने 33 तथा विकास सिवाच ने 32 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं रामवीर गुर्जर ने 4 ओवरों में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

# हकेंवि की टीम ने एसजीबीयू को सात विकेट से हराया

## 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

**महेंद्रगढ़।** नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय (एसजीबीयू) को 7 विकेट से हराया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के शानदार प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार, कौशल विकास के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी टीम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर टीम की सराहाना की। हकेंवि क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि ऑल इंडिया वीसी कप देश के शैक्षणिक संस्थानों के स्टॉफ के बीच खेले जाने वाले क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट्स में से एक है। इस वर्ष इस टूर्नामेंट में देशभर के विश्वविद्यालयों की 30 टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं। डॉ. सैनी ने बताया कि एसजीबीयू की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवरों में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

मैच जीतने के बाद हकेंवि क्रिकेट टीम के सदस्य खुशी जताते हुए। स्रोत : विवि

हकेंवि की टीम ने 14.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। हकेंवि की टीम की ओर संजीव ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3.2 ओवरों में 3 विकेट हासिल किए तथा 1 कैच भी पकड़ा साथ उन्होंने 18 रन भी बनाए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. शाहजहां ने 33 तथा विकास सिवाच ने 32 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं रामवीर गुर्जर ने 4 ओवरों में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस तरह हकेंवि की टीम ने यह मैच सात विकेट से जीत लिया।

**शोध**

**शिक्षकों ने तैयार किया वर्टिकल प्लेट सिस्टम, नदियों के किनारों की प्लेटें रक्षा करेंगी**

# उफनती नदियों के बहाव से नहीं होगा भूमि कटाव

मनोज राजपूत

**महेंद्रगढ़।** नदियों से भूमि कटाव को रोकने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) का शोध काफी कारगर हो सकता है। हकेंवि ने वर्टिकल प्लेट तकनीक विकसित की है। इससे भूमि के कटाव से नुकसान को रोका जा सकेगा। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पीठ के वर्टिकल प्लेट के शोध को पेटेंट मिल चुका है।

हर वर्ष नदियों के उफान से तबाही के साथ जान-माल का नुकसान हो जाता है। नदियों से होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए हकेंवि के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पीठ के शिक्षकों ने वर्टिकल प्लेट तकनीक विकसित की है। मौजूदा समय में किनारों को धातु की क्षैतिज प्लेट के माध्यम से सुरक्षित किए जाने की प्रक्रिया प्रचलन में है और ऐसा देखने में आया है कि यह प्लेटें काफी हद तक क्षतिग्रस्त हो जाती थीं। इसी को ध्यान में रखते हुए शिक्षकों ने उल्टे ई आकार की वर्टिकल प्लेट तैयार की है जो काफी हद तक कटाव से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करने में सक्षम है।

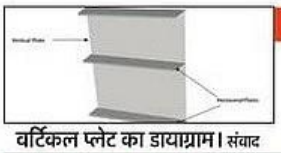

वर्टिकल प्लेट का डायाग्राम। संवाद

**सफलता**

### हरियाणा केंद्रीय विवि के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पीठ के शोध को मिला पेटेंट

**ऐसे काम करेगी वर्टिकल प्लेट...** इस पेटेंट को प्राप्त करने वाली टीम में सदस्य प्रो. विकास गर्ग व प्रो. अजय कुमार बंसल, डॉ. डीवीएस वर्मा, डॉ. बलदेव सेठिया शामिल हैं। शिक्षकों द्वारा तैयार की गई तकनीक के अंतर्गत प्लेट में एक ऊर्ध्वाधर प्लेट होती है जो नदी के किनारों की रक्षा करती है। इसके अलावा तीन क्षैतिक प्लेटें होती हैं जो विभिन्न तल स्तर पर ऊर्ध्वाधर प्लेट को क्षतिग्रस्त होने से रोकती हैं। इस प्रकार इन क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर प्लेट के संयोजन से नदी के तटों की सुरक्षा और प्लेट के स्थायित्व को सुनिश्चित किया जाता है।

### संपत्ति व कृषि को नहीं होगी हानि : प्रो. गर्ग

प्रो. विकास गर्ग ने बताया कि नदी तट के कटाव के कारण संपत्ति की क्षति, समुदायों का विस्थापन और कृषि की बड़े स्तर पर हानि होती है। नदियों का कटाव पर्यावरणीय क्षरण में भी योगदान देता है और जैव विविधता और पानी की गुणवत्ता को प्रभावित करता है जबकि बाढ़ के खतरे को बढ़ाता है और प्रभावित क्षेत्रों पर आर्थिक बोझ डालता है। ऐसे में यह वर्टिकल प्लेटें नदियों के मोड़ के लिए किनारे की सुरक्षा करेंगी।

# हकेंवि शोधार्थी का पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय स्थान

कुलपति प्रो. टंकेश्वर के साथ अन्य स्टाफ एवं शोधार्थी • जागरण

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डा. अनीता कुमारी की शोधार्थी सरिता को उनके शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। छिलके रहित और छिलके वाले जौ की विभिन्न किस्मों का पोषण मूल्यांकन और गैर-संचारी रोग मधुमेह के जोखिम को कम करने में उनकी संभावित भूमिका शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य के सुपरफूड जौ पर अंत:विषय, व्यावहारिक व शोध करने पर लेखकों की की। मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण का प्रभाव विषय पर हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी सरिता के साथ विभाग की सहायक आचार्य डा. अनीता कुमारी व शोधार्थी दीपिका ने सह-लेखकों की भूमिका निभाई। समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, स्कूल आफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन व विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने भी शोध कार्य से जुड़े लेखकों व सह-लेखकों को उनके शोध कार्य पर बधाई दी। लेखकों ने बताया कि जौ कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के साथ पोषण के पावर हाउस के रूप में भविष्य रखता है। यह विभिन्न गैर-संचारी विकारों के प्रबंधन के लिए एक स्थायी समाधान है और इसमें मधुमेह विरोधी गतिविधि के गुण उपलब्ध है। इस प्रकार, कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में जौ को बढ़ावा देने से आर्थिक मदद मिल सकती है।

19वां ऑल इंडिया वीसी कप-2023

# हकेंवि की क्रिकेट टीम ने केबीसीएनएम विवि जलगांव को छह विकेट से हराया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने केबीसीएनएम विश्वविद्यालय जलगांव को 6 विकेट से हराया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने क्रिकेट टीम की जीत पर शुभकामनाएं दीं।

हकेंवि क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि ऑल इंडिया वीसी कप-2023 में देशभर के विवि की 30 टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं। डॉ. सैनी ने बताया कि मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केबीसीएनएम विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 109 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हकेंवि की टीम ने 4 विकेट खोकर 11.3 ओवरों में 113 रन बनाए।

# हकेंवि के पोस्टर को मिला सेमिनार में द्वितीय स्थान

महेंद्रगढ़। हकेंवि शोधार्थी की पोस्टर प्रस्तुति को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में द्वितीय स्थान मिला। पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी की शोधार्थी सुश्री सरिता को उनके शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। उन्हें द्वितीय स्थान मिला है। छिलके रहित और छिलके वाले जौ की विभिन्न किस्मों का पोषण मूल्यांकन और गैर-संचारी रोग मधुमेह के जोखिम को कम करने में उनकी संभावित भूमिका शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी, दीपिका, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार आदि ने उन्हें बधाई दी है।

स्पर्धा

नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें ऑल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में लिया भाग

# हकेंवि की टीम ने केबीसीएनएम विश्वविद्यालय, जलगांव को हराया

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। महाराष्ट्र के नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें ऑल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम ने केबीसीएनएम विश्वविद्यालय, जलगांव को 6 विकेट से हरा दिया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने क्रिकेट टीम की जीत पर कहा कि खेल आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक संतुलन व सामाजिक कौशल को बढ़ाने में भी मददगार होते हैं।

जलगांव की टीम महाराष्ट्र राज्य के विश्वविद्यालयों के बीच हुए टूर्नामेंट में सेमीफाइनलिस्ट टीमों में से एक है।

हकेंवि की क्रिकेट टीम के सदस्य। स्रोत : विवि

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि ये जीत पूरे विश्वविद्यालय की जीत है और भविष्य में भी इस तरह के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा। हकेंवि की क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि ऑल इंडिया वीसी कप-2023 में देशभर के विश्वविद्यालयों की 30 टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं।

## पोस्टर प्रस्तुति को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिला द्वितीय स्थान

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी की शोधार्थी सरिता को उनके शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। छिलके रहित और छिलके वाले जौ की विभिन्न किस्मों का पोषण मूल्यांकन और गैर संचारी रोग मधुमेह के जोखिम को कम करने में उनकी संभावित भूमिका शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य के सुपरफूड जौ पर अंत विषय, व्यावहारिक व आवश्यक शोध करने पर लेखकों के प्रयासों की सराहना की। मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण का प्रभाव विषय पर हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी सरिता के साथ विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी व शोधार्थी दीपिका ने सह-लेखकों की भूमिका निभाई। संवाद


## पोस्टर प्रस्तुति को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मिला द्वितीय स्थान

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) के पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी की शोधार्थी सरिता को उनके शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। छिलके रहित और छिलके वाले जौ की विभिन्न किस्मों का पोषण मूल्यांकन और गैर संचारी रोग मधुमेह के जोखिम को कम करने में उनकी संभावित भूमिका शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कृत किया गया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य के सुपरफूड जौ पर अंत विषय, व्यावहारिक व आवश्यक शोध करने पर लेखकों के प्रयासों की सराहना की। मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण का प्रभाव विषय पर हुए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी सरिता के साथ विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी व शोधार्थी दीपिका ने सह-लेखकों की भूमिका निभाई। संवाद

# हकेवि की क्रिकेट टीम ने केबीसीएनएम विश्वविद्यालय, जलगांव को छह विकेट से हराया

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने केबीसीएनएम विश्वविद्यालय, जलगांव को 6 विकेट से हरा दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने क्रिकेट टीम की जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को आगे के मैचों के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि खेल आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक संतुलन व सामाजिक कौशल को बढ़ाने में भी मददगार होते हैं। यहां बता दें कि जलगांव की टीम महाराष्ट्र राज्य के विश्वविद्यालयों के बीच हुए टूर्नामेंट में सेमीफाइनलिस्ट टीमों में से एक है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ये जीत पूरे विश्वविद्यालय की जीत है और भविष्य में भी इस तरह के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए स्टाफ को प्रोत्साहित किया जाएगा। हकेवि क्रिकेट टीम के कप्तान डॉ. जितेंद्र सैनी ने बताया कि आल इंडिया वीसी कप-2023 में देशभर के विश्वविद्यालयों की 30 टीमें प्रतिभागिता कर रही हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम दूसरी बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है। यह टूर्नामेंट पिछले लगभग 25 साल से पूरे भारत वर्ष में अलग-अलग जगह आयोजित की जाती है। डॉ. सैनी ने बताया कि रामवीर गुर्जर ने मैच में 03 विकेट हासिल किए और 02 कैच भी पकड़े। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। संजीव कुमार शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 बाल पर 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली एवं डॉ. शाहजहां ने 03 विकेट लिए। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केबीसीएनएम विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवरों में नौ विकेट खोकर 109 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हकेवि की टीम ने 4 विकेट खोकर 11.3 ओवरों में 113 रन बनाए। इस तरह हकेवि की टीम ने छह विकेट से विजय प्राप्त की।

# लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग पर हकेवि करेगा शोध

महेंद्रगढ़,31 दिसंबर ( ब्यूरो )। लेह-लद्दाख में उपलब्ध हथकरघा उद्योग अपने उत्पादों के लिए देश-विदेश में एक अलग पहचान रखता है। बावजूद इसके पिछले कुछ दशकों में आवश्यक बदलावों के परिणाम स्वरूप इस उद्योग के सतत विकास की दिशा में सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। तेजी से बदलते बाजार और उसकी आवश्यकताओं को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा इस उद्योग के विकास हेतु विशेष शोध कार्य किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह शोध कार्य लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग के विकास हेतु प्रयासरत नीति-निर्धारकों के लिए उपयोगी साबित होगा। सहायक आचार्य डॉ. विवेक बाल्यान को इस कार्य हेतु आईसीएसएसआर की ओर से माइनर प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है।

नवोदय टाइम्स Mon, 01 January https://epaper.r

# लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग पर हकेवि करेगा शोध -आईसीएसएसआर से मिली मंजूरी

**रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़**

लेह-लद्दाख में उपलब्ध हथकरघा उद्योग अपने उत्पादों के लिए देश-विदेश में एक अलग पहचान रखता है। बावजूद इसके पिछले कुछ दशकों में आवश्यक बदलावों के परिणाम स्वरूप इस उद्योग के सतत विकास की दिशा में सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। तेजी से बदलते बाजार और उसकी आवश्यकताओं को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग द्वारा इस उद्योग के विकास हेतु विशेष शोध कार्य किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह शोध कार्य लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग के विकास हेतु प्रयासरत नीति-निर्धारकों के लिए उपयोगी साबित होगा।

विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विवेक बाल्यान को इस कार्य हेतु भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) की ओर से माइनर प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत अनुदान प्रदाता संस्थान को हकेवि द्वारा एक साल में लेह-लद्दाख के क्षेत्र में उपस्थित हथकरघा उद्योग के विकास हेतु आवश्यक विभिन्न नवाचार, पर्यावरण हितैषी उपायों पर केंद्रित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। डॉ. विवेक बाल्यान ने बताया कि हम देखते हैं कि जम्मू-कश्मीर व लेह-लद्दाख क्षेत्र में चलने वाले लघु उद्योग विशेषकर हथकरघा उद्योग से बने उत्पादों की माँग राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी खूब है। बावजूद इसके किन्हीं कारणों से इस उद्योग को विकास के वह अवसर प्राप्त नहीं हो सके हैं, जिसका यह हकदार है। इस शोध कार्य के अंतर्गत हम इसी दिशा में केंद्रित शोध

कार्य करेंगे और एक साल की कार्यावधि के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थित वाईफाई पार्क। संवाद

# उपलब्धियों के फलक पर हकेंवि

शिक्षा

महेंद्रगढ़। प्रदेश का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंवि) अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है।

वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानन परिषद (नैक) से ए ग्रेड प्राप्त करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का क्रियान्वयन सर्वप्रथम आरंभ करने के बाद अब विवि अध्ययन, अध्यापन के शोध के मोर्चे पर पहले से अधिक जोर दे रहा है। वर्ष 2009 में जाट-पाली की करीब 500 एकड़ भूमि पर अपनी स्थापना के बाद विवि ने शिक्षा के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है।

**विश्व स्तरीय लाइब्रेरी बनेगी इसी वर्ष:** भारत सरकार की ओर से 37 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है इससे विश्व स्तरीय पुस्तकालय का निर्माण होगा। यह पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। विश्वभर से कोई भी ऑनलाइन किताबें एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठा सकता है।

## 34 विभागों में चल रहे हैं 83 शोध कार्यक्रम

वर्तमान में हकेवि के 34 विभागों में 83 कार्यक्रम चल रहे हैं। इनमें से अधिकांश वर्ष 2024 में पूरे होने हैं जिसके बाद विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। पिछले पांच वर्षों में हकेविवि की 32 परियोजनाएं भी पूरी हुई हैं तथा विभिन्न फंडिंग एजेंसियों जिनमें से 2 विदेशी एवं 16 भारतीय एजेंसियां शामिल हैं। वर्तमान समय में 10 से अधिक संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया चल रही है जो जल्द पूरी होने की उम्मीद है।

## मिली स्वीकृति, जल्द शुरू होंगे काम

- डिस्टेंस एजुकेशन के लिए सभी मानकों को पूरा कर लिया जिसके माध्यम से जल्द स्वीकृति मिल सकती है।
- इस बार नए पांच कोर्स मिलने की भी उम्मीद है जिनके लिए अधिकांश प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं।
- एनिमल रिसर्च के लिए हकेंवि को अनुसंधान के लिए एनिमल हाउस की सौगत भी मिल चुकी है जल्द ही इसको अंतिम रूप दिया जाएगा।
- आईआईआरएफ की ओर से हकेवि को ए ग्रेड दिया गया है जिसके माध्यम से विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी।
- खेलो इंडिया की ओर से इस वर्ष हकेंवि में मैदान की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में उम्मीद है इस साल यह भी धरातल पर उतरेगी।
- मेडिकल कॉलेज की भी प्रक्रिया चल रही है उम्मीद है कि यह भी जल्द मिलेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थित वाईफाई पार्क। संवाद

# उपलब्धियों के फलक पर हकेंवि

शिक्षा

महेंद्रगढ़। प्रदेश का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेंवि) अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है।

वर्ष 2023 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यानन परिषद (नैक) से ए ग्रेड प्राप्त करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का क्रियान्वयन सर्वप्रथम आरंभ करने के बाद अब विवि अध्ययन, अध्यापन के शोध के मोर्चे पर पहले से अधिक जोर दे रहा है। वर्ष 2009 में जाट-पाली की करीब 500 एकड़ भूमि पर अपनी स्थापना के बाद विवि ने शिक्षा के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है।

**विश्व स्तरीय लाइब्रेरी बनेगी इसी वर्ष:** भारत सरकार की ओर से 37 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है इससे विश्व स्तरीय पुस्तकालय का निर्माण होगा। यह पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। विश्वभर से कोई भी ऑनलाइन किताबें एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठा सकता है।

## 34 विभागों में चल रहे हैं 83 शोध कार्यक्रम

वर्तमान में हकेवि के 34 विभागों में 83 कार्यक्रम चल रहे हैं। इनमें से अधिकांश वर्ष 2024 में पूरे होने हैं जिसके बाद विवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

पिछले पांच वर्षों में हकेविवि की 32 परियोजनाएं भी पूरी हुई हैं तथा विभिन्न फंडिंग एजेंसियों जिनमें से 2 विदेशी एवं 16 भारतीय एजेंसियां शामिल हैं। वर्तमान समय में 10 से अधिक संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन की प्रक्रिया चल रही है जो जल्द पूरी होने की उम्मीद है।

## मिली स्वीकृति, जल्द शुरू होंगे काम

- डिस्टेंस एजुकेशन के लिए सभी मानकों को पूरा कर लिया जिसके माध्यम से जल्द स्वीकृति मिल सकती है।
- इस बार नए पांच कोर्स मिलने की भी उम्मीद है जिनके लिए अधिकांश प्रक्रिया पूरी कर ली गई हैं।
- एनिमल रिसर्च के लिए हकेंवि को अनुसंधान के लिए एनिमल हाउस की सौगत भी मिल चुकी है जल्द ही इसको अंतिम रूप दिया जाएगा।
- आईआईआरएफ की ओर से हकेवि को ए ग्रेड दिया गया है जिसके माध्यम से विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी।
- खेलो इंडिया की ओर से इस वर्ष हकेंवि में मैदान की प्रक्रिया भी अंतिम चरण में उम्मीद है इस साल यह भी धरातल पर उतरेगी।
- मेडिकल कॉलेज की भी प्रक्रिया चल रही है उम्मीद है कि यह भी जल्द मिलेगा।

# लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग पर होगा शोध

संवाद न्यूज एजेंसी

**महेंद्रगढ़।** लेह-लद्दाख में उपलब्ध हथकरघा उद्योग अपने उत्पादों के लिए देश-विदेश में एक अलग पहचान रखता है। इसके बाद भी पिछले कुछ दशकों में आवश्यक बदलावों के परिणाम स्वरूप इस उद्योग के सतत विकास की दिशा में सुधार की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

सहायक आचार्य डॉ. विवेक बाल्यान। संवाद

तेजी से बदलते बाजार और उसकी आवश्यकताओं को देखते हुए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि महेंद्रगढ़ के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग की ओर से इस उद्योग के विकास हेतु विशेष शोध कार्य किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही यह शोध कार्य लेह-लद्दाख के हथकरघा उद्योग के विकास हेतु प्रयासरत नीति-निर्धारकों के लिए उपयोगी साबित होगा। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विवेक बाल्यान को इस कार्य हेतु भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से माइनर प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत अनुदान प्रदाता संस्थान को हकेंवि की ओर से एक साल में लेह-लद्दाख के क्षेत्र में उपस्थित हथकरघा उद्योग के विकास हेतु आवश्यक विभिन्न नवाचार, पर्यावरण हितैषी उपायों पर केंद्रित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

डॉ. विवेक बाल्यान ने बताया कि हम देखते हैं कि जम्मू-कश्मीर व लेह-लद्दाख क्षेत्र में चलने वाले लघु उद्योग विशेषकर हथकरघा उद्योग से बने उत्पादों की मांग राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खूब है। बावजूद इसके किन्हीं कारणों से इस उद्योग को विकास के वह अवसर प्राप्त नहीं हो सके हैं, जिसका यह हकदार है।